आंध्र की गारंटी पेंशन योजना

चर्चा में क्यों ?

- ऐसे समय में जब देश पुरानी पेंशन योजना (OPS) बनाम नयी पेंशन योजना (NPS) पर बहस कर रहा है, नई पेंशन योजना पर आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित एक नए मॉडल ने केंद्रीय वित्त मंत्रालय का ध्यान आकर्षित किया है।

प्रमुख बिंदु

- हाल ही में, RBI ने प्रमुख राजकोषीय चिंता के रूप में कुछ राज्यों द्वारा OPS में वापसी को लाल झंडी दिखा दी।
- हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़ और राजस्थान सहित कई राज्यों ने OPS में वापसी की घोषणा की है।

नई पेंशन योजना (NPS)

- केंद्र सरकार ने अप्रैल, 2004 में OPS के विकल्प के तौर पर NPS की शुरुआत की थी।
- यह पेंशन कार्यक्रम सशस्त्र बलों को छोड़कर सार्वजनिक, निजी और यहाँ तक कि असंगठित क्षेत्रों के कर्मचारियों के लिए खुला है।
- यह योजना लोगों को उनके रोजगार के दौरान नियमित अंतराल पर पेंशन खाते में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- रिटायरमेंट के बाद, सब्सक्राइबर कॉर्पस का एक निश्चित प्रतिशत निकाल सकते हैं।
- लाभार्थी को सेवानिवृत्ति के बाद मासिक पेंशन के रूप में शेष राशि प्राप्त होती है।
- **नोडल एजेंसी:** पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA)

पुरानी पेंशन योजना (OPS)

- इसके तहत सरकारी कर्मचारियों को उनके अंतिम आहरित वेतन (आखिरी आहरित मूल मासिक वेतन का 50%) के आधार पर पेंशन प्रदान किया जाता है।
- पुरानी पेंशन योजना का आकर्षण सेवानिवृत्त लोगों को सुनिश्चित या 'परिभाषित' लाभ देने के अपने वादे में निहित है। इसलिए इसे 'परिभाषित लाभ योजना' के रूप में वर्णित किया गया था।
- OPS को केंद्र सरकार ने अप्रैल, 2004 से बंद कर दिया था।

NPS और OPS में अंतर

- पुरानी पेंशन योजना एक पेंशन आधारित योजना है। यह सेवानिवृत्ति के दौरान कर्मचारियों को नियमित पेंशन प्रदान करता है।इस प्रकार, OPS में, पेंशन राशि स्थिर और गारंटीकृत होती है।
- दूसरी ओर, राष्ट्रीय पेंशन योजना एक निवेश सह पेंशन योजना है। NPS निश्चित रिटर्न की गारंटी नहीं देता है क्योंकि यह बाजार की अस्थिरता के अधीन है यानी NPS में अंशदान परिभाषित है, लेकिन लाभ बाजार पर निर्भर करता है।

आंध्र प्रदेश की गारंटी पेंशन योजना

- हालांकि केंद्रीय वित्त मंत्री के पटल पर अभी तक कोई प्रस्ताव नहीं है, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित एक नए पेंशन मॉडल के बारे में चर्चा चल रही है।
- इस मॉडल OPS और NPS दोनों के तत्वों को जोड़ता है।

आंध्र प्रदेश सरकार का प्रस्तावित पेंशन मॉडल क्या है?

- इसे आकर्षक रूप से 'गारंटीकृत पेंशन स्कीम' या GPS कहा जाता है।
- कर्मचारी अपने अंतिम आहरित वेतन के 33 प्रतिशत की गारंटीकृत पेंशन प्राप्त कर सकते हैं, यदि वे हर महीने अपने मूल वेतन का 10 % योगदान करते हैं जो राज्य सरकार द्वारा 10% योगदान से मेल खाता है।
- वे अपने अंतिम आहरित वेतन के 40 % की गारंटीकृत पेंशन प्राप्त कर सकते हैं, यदि वे हर महीने अपने वेतन का उच्च (14 %) अंशदान करने के इच्छुक हैं।यह 14 % सरकारी योगदान से मेल खाएगा।

सोत- IE

साइटोटोक्सिन (CTXs)

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, वैज्ञानिकों द्वारा कोबरा के जहर की जहरीली क्रिया के तंत्र का पता लगाया है।

साइटोटोक्सिन के बारे में:

- साइटोटोक्सिन (CTXs) गैर-एंजाइमी थ्री-फिंगर टॉक्सिन परिवार का एक आवश्यक वर्ग है और कोबरा के जहर में सर्वव्यापी रूप से मौजूद है।
- कुछ CTXs न्यूरॉन्स और हृदय की मांसपेशियों की झिल्लियों का अवरोध करने के लिए भी जिम्मेदार होते हैं, जो कोबरा-विषग्रस्त पीड़ितों में अक्सर कार्डियक विफलताओं में योगदान होता है। नतीजतन, उन्हें कार्डियोटॉक्सिन (CDTX) के रूप में भी जाना जाता है।
- दिलचस्प बात यह है कि कोबरा विष CTXs का अनुपात अलग-अलग कोबरा प्रजातियों में भिन्न-भिन्न होता है।
- आमतौर पर, अफ्रीकी कोबरा के जहर में एशियाई कोबरा की तुलना में CTXs का अनुपात अधिक होता है, जो सांप के जहर की संरचना में भौगोलिक भिन्नता का संकेत देता है।

कोबरा के बारे में

- कोबरा (जीनस नाजा) व्यापक रूप से एशिया और अफ्रीका में पाए जाते हैं।
- कोबरा का ज़हर भारतीय उपमहाद्वीप सहित इन महाद्वीपों पर बड़ी मृत्यु दर और रुग्णता के लिए जिम्मेदार हैं।
- कोबरा का जहर न्यूरोटॉक्सिक होता है। हालांकि, वे जहरीली जगह पर स्थानीय साइटोटॉक्सिक प्रभाव भी प्रदर्शित करते हैं और साइटोटोक्सिसिटी की सीमा विभिन्न प्रजातियों में भिन्न-भिन्न हो सकती है।

स्रोत- PIB

विश्व आर्द्रभूमि दिवस

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में, भारत में राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा सभी 75 रामसर स्थलों पर विश्व आर्द्रभूमि दिवस (WWD) मनाया गया।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस के बारे में:

- 1971 में अंतर्राष्ट्रीय महत्व के वेटलैंड्स पर रामसर कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने के उपलक्ष्य में हर साल 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड्स दिवस मनाया जाता है।

- भारत 1982 से कन्वेंशन का एक पक्षकार है और अब तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को कवर करते हुए 75 आर्द्रभूमियों को रामसर स्थलों के रूप में घोषित कर चुका है।
- वर्तमान में, तमिलनाडु राज्य में सबसे अधिक रामसर स्थल (14) हैं, इसके बाद उत्तर प्रदेश में 10 रामसर स्थल हैं।
- **वर्ष 2023 का विषय**- 'आर्द्रभूमि बहाली-
- आर्द्रभूमियों को नष्ट होने से बचाने के लिए वित्तीय, मानवीय और राजनीतिक पूंजी निवेश करके आर्द्रभूमियों के लिए सक्रिय कार्रवाई करें और जो खराब हो चुकी हैं उन्हें पुनर्जीवित करें और पुनर्स्थापित करें।'
- भारत के पास एशिया में रामसर स्थलों का सबसे बड़ा नेटवर्क है, जो इन स्थलों को वैश्विक जैविक विविधता के संरक्षण और मानव कल्याण का समर्थन करने के लिए एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक नेटवर्क बनाता है।

स्रोत- पीआईबी

धमाल

चर्चा में क्यों ?

- धमाल प्रदर्शन परंपराओं की कहानियां मानव आंदोलन एवं इतिहास की दुनिया में संस्कृतियों के समृद्ध और जटिल मिश्रण को प्रकट करती हैं।

धमाल के बारे में:

- धमाल, सूफी और अफ्रीकी (ज्यादातर पूर्वी अफ्रीकी) संगीत और नृत्य का मिश्रण है।
- यह विशेष रूप से गुजरात के सिद्धियों की आध्यात्मिक प्रथाओं को संदर्भित करता है।
- आमतौर पर, आध्यात्मिक नेताओं के जन्म और मृत्यु की वर्षगाँठ मनाने के लिए धमाल गाने और नृत्य किए जाते हैं। इन्हें दो तरह से किया जाता है-

- **नृत्य धमाल:** यह बैठकर तथा डांस दोनों मुद्राओं में किया जाता है और इसमें वाद्य यंत्रों की आवाज पर अधिक ध्यान दिया जाता है।
- **बैठकी धमाल**: यह बैठने की स्थिति में किया जाता है और गीत के बोल पर अधिक ध्यान दिया जाता है तथा संगीत वाद्ययंत्र पर कम।

सिद्दी के बारे में

- सिदी या शीदि भारत और पाकिस्तान का एक मानव समुदाय है जिसका मूल अफ्रीका है। ये 12वीं, 13वीं और 14वीं शताब्दी के दौरान भारत पहुंचे। इन्हें इस्लामिक आक्रमणकारियों और पुर्तगाली उपनिवेशवादियों द्वारा दासों, महल रक्षकों, सेना प्रमुखों, हरम के रखवालों, आध्यात्मिक नेताओं, सूफी गायकों और नर्तकियों के रूप में लाया गया।
- वर्तमान समय में, इनमें से अधिकांश भारत के पश्चिम और दक्षिण पश्चिम में, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में पाए जाते हैं।

स्रोत- DTE

स्पेसएक्स स्टारशिप

चर्चा में क्यों ?

- हालिया खबरों के अनुसार स्पेसएक्स मार्च में स्टारशिप रॉकेट सिस्टम लॉन्च करने का प्रयास कर सकता है।

स्पेसएक्स स्टारशिप क्या है ?

- स्टारशिप एक सुपर-हैवी-लिफ्ट रॉकेट और अंतरिक्ष यान है जो विशाल कार्गो और कई अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ले जाने के लिए बनाया गया है।
- स्टारशिप अब तक विकसित दुनिया का सबसे शक्तिशाली लॉन्च वाहन होगा, जिसमें 150 मीट्रिक टन तक पृथ्वी की कक्षा में पुन: प्रयोज्य और 250 मीट्रिक टन तक ईंधन खर्च करने की क्षमता होगी।
- स्टारशिप दो-घटक प्रणाली का सामूहिक नाम है जिसमें स्टारशिप अंतरिक्ष यान (जो चालक दल और कार्गो को वहन करता है) और सुपर हेवी रॉकेट शामिल है।
- रॉकेट स्टेनलेस स्टील से बना है और तरल मीथेन पर चलता है।
- यह 164 फीट (50 मीटर) लंबा है और इसका व्यास नौ मीटर है।
- स्टारशिप का इरादा पूरी तरह से पुन: प्रयोज्य लॉन्च और लैंडिंग सिस्टम में विकसित होना है।
- स्टारशिप लॉन्च सिस्टम रैप्टर इंजन द्वारा संचालित है जो एक पुन: प्रयोज्य मिथाइलॉक्स चरणबद्ध-दहन इंजन है।
- इसे स्पेसएक्स ने बनाया है, जो एक अमेरिकी अंतरिक्ष यान निर्माता कम्पनी है।

स्रोत- TOI